

दोस्तों संग नदी नहाने
गया छात्र छुबा, मौत
सौरिख्य कनौज। सौरिख्य थाना क्षेत्र
के मुख्य निवासी पुनर सिंह जाटव
का प्रमुख रुद्रप्रताप सिंह उर्फ लाली
(16) सोमवार की सुहृद गाव के ही
तीन दोस्तों के साथ अरिंदन नदी हाने
गया था। किंशर नहाने हुए नदी के
गहरे गहरे में डूबने लगा। अन्य नहा
रहे दोस्तों ने बचाव का प्रयास किया
लेकिन नहीं बचा सके। गोताखोरों की
मदद से किंशर को ढूँढने का प्रयास
किया गया। करीब पांच घंटे बाद तैराक
कार्रिक्यंग ने गहरे गहरे में किंशर का
शव खो निकाला।

पांच दुकानों के लाइसेंस निलंबित

कनौज। उर्वरक विक्रीताओं ने कई¹
किसानों की अधिकारी संताल गुप्ता
की लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।
जिना कृषि अधिकारी संताल गुप्ता
ने बताया कि रिपोर्ट में पांच ऐसे विक्रीता
मिले, जिन्होंने 40 बोरी से अधिक
युरिया का प्रति किसान को बिक्री की।
छिबरामऊ के बहवलपुर, नादेश्वर,
छिबरामऊ के बहवलपुर, नादेश्वर
और गुगरामपुर स्थित कुमार का
लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

फर्जी तरीके से शिकायत

का निस्तारण किया
कनौज। तहसील के ही एक पूर्व
कर्मी की ओर से दी गई शिकायत का
लेखाल से फर्जी तरीके से निस्तारण
कर दिया। बछुजामपुर निवासी
गगरामपुर से बताया कि सदर तहसील
में चूर्चु श्रीणी कर्मचारी के पद से वह
मार्च 2025 में सेवानिवृत्त हो गए थे।
उन्होंने 7.5 डिसमिन भूमि खरीदी
थी। एसडीएम से लेखाल को मौके
पर जाकर पैमाइश करने के दिनश
दिए। 2 अगस्त को संपूर्ण समाधान
दिवस में शिकायत की जिसमें 402
गाटा संख्या को 420 दिखाकर
शिकायत निस्तारण कर दिया।

बीईओ को प्रतीकूल
प्रविष्टि देने के निर्देश
कनौज। डीएम आशुषो मोहन
अग्निहोत्री ने 12 जून को सीएम
देशबोर्ड की समीक्षा की थी। बीईओ
मुख्यालय विधिन कुमार को वीएसए
का अतिरिक्त प्रभार था। वह बैठक
में नहीं पहुँचे। उन्होंने अपनी जगह
जलामाला के बीईओ शिवेंद्र वर्मा को
भेज दिया। इस पर जिलाधिकारी ने
नारायणी जाती और विधिन कुमार
का बैठन रोक दिया। 14 अगस्त को
बीईओ का बैठन बहलता हुआ लेकिन
उनको प्रतीकूल प्रविष्टि देने के निर्देश
दिए हैं।

सपा ने भुवनेश को कायमगंज इटावा बेरेली हाईवे पर बंद युवजन सभाका अध्यक्ष बनाया कट खुलवाने की मांग

कार्यालय संवाददाता फर्झाबाद
अमृत विचार। समाजवादी पार्टी
के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह
यादव ने माधेपुर स्थित निवास पर
आयोजित सभा में युवजन सभा के
जिला अध्यक्ष शिवम यादव द्वारा
कायमगंज विधान सभा के ग्राम
मुहरहीनी जाती और विधिन कुमार
का बैठन रोक दिया। 14 अगस्त को
बीईओ का बैठन बहलता हुआ लेकिन
उनको प्रतीकूल प्रविष्टि देने के निर्देश
दिए हैं।

इस मौके पर कायमगंज क्षेत्र
के अवधेश राजपूत, पूर्णलाल
राजपूत, रामवीर सिंह दिवाकर,
वीरेंद्र सिंह एवं अंशिक कुमार
जो लगभग 20 वर्ष से जुड़े रहे।

निर्देश



सपा में आधा दर्जन ने सदरस्त ग्रहण की।

भारतीय जनता पार्टी छोड़कर
समाजवादी पार्टी की सदस्यता
ग्रहण की।

इस दौरान जिला अध्यक्ष ने

संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 33, पुलिस की 04, विकास विभाग की 01 शिकायत आई

समाधान दिवस की शिकायतों को गंभीरता से लें : डीएम गायब अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

कार्यालय संवाददाता फर्झाबाद
अमृत विचार। संपूर्ण समाधान
दिवस में आने वाली शिकायतों को
सभी अधिकारी गंभीरता से लें और
उनका भी निस्तारण करें जिससे
शिकायत पटल पर शिकायतों का
आंकड़ा कम हो सके।

सोमवार को ऑफिसर्स क्लब
फैशनगढ़ में तहसील सदर का
सम्पूर्ण समाधान दिवस का
आयोजन जिलाधिकारी आशुतोष
कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया
गया। संपूर्ण समाधान दिवस में
राजस्व विभाग की 33, पुलिस की 04,
विकास विभाग की 01, विद्युत
विभाग की 02 व अन्य विभागों की
12 शिकायतें कुल 52 शिकायतें
प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 का मौके पर
निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा प्राप्त
शिकायतों का शासन की मंशा के
अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर
तय समय सीमा के अंदर निस्तारण
करने के अदेश संबंधित विभागों के
अधिकारियों को दिए हैं। इस



फरियादियों की शिकायतों सुनते डीएम एसपीए

शिकायतों का शासन की मंशा के
मौके पर पुलिस अधीक्षक आरती

संघीय विभाग की 33, पुलिस की 04,
विकास विभाग की 01, विद्युत
विभाग की 02 व अन्य विभागों की
12 शिकायतें कुल 52 शिकायतें
प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 का मौके पर
निस्तारण किया गया।

अमृत विचार

नर्सिंगहोम में मरीज की मौत ताला डाल कर भाग स्टाफ

अस्पताल प्रशासन पर लागाया लापरवाही का आरोप, जमकर हंगामा

संवाददाता, छिबरामऊ, कनौज



रंजीत की फाइल फोटो।

अमृत विचार। ग्राम खुबरियापुर
मार्ग पर स्थित पुष्टांजलि अस्पताल
में लापरवाही के कारण एक और
मरीज की मौत हो गई। युवक के
लियर में पस की समस्या के चलते
अस्पताल में भर्ती कराया गया था।
ऑपरेशन के कुछ देर बाद उसकी
मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल
प्रशासन पर लापरवाही के आरोप
लगाते हुए हंगामा काट दिया।

विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम
भोला नारायण निवासी 24 वर्षीय
रंजीत पुरुष कहने से लागत दिया।
रंजीत का शाम लगभग 4 बजे
में पस बन गया था। परिजनों के
रंजीत का ऑपरेशन किया गया।
ऑपरेशन के लियर भर्ती 1 से 2 घंटे
में उसकी मौत हो गई। घटना के
बाद अस्पताल प्रशासन ताला डाल
कर फरार हो गया। वहीं परिजनों ने
कार्यवाई की बाद भी अस्पताल
नाम बदलकर दूसरी जाह नं संचालित
हो जाते हैं। मामले में पुलिस ने जांच
पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक

विष्णु कांत तिवारी भारी पुलिस
फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे।
क्षेत्रिक शिवरामऊ सुरेश कुमार ने शव का
पंचनामा भरावा कर पोस्टमार्टम के
लिए जाया। मृतक पांच भाइयों
में तीसरे नंबर का था। करीब दो माह
पहले उनके बड़े भाई राम लड़ते की
बुलंदशहर में एक हादसे में मृत्यु हो
गई थी।

अब इस घटना ने परिवार को
गहरे सदमे में डाल दिया। परिजनों
ने आरोप लगाया कि अस्पताल
अन्द्रेड स्टाफ और झोला छाप
डॉक्टरों की लापरवाही की थी। करीब दो
घंटे के लियर भर्ती के लिए ग्राम
पुष्टांजलि हाईस्पिल में भर्ती कराया
गया था। यहां के चिकित्सक ने उसकी
कार्रियर के बहवलपुर, नादेश्वर,
छिबरामऊ के बहवलपुर, नादेश्वर
और गुगरामपुर स्थित कुमार का
लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

रंजीत के मार्ग गये रुपये दे दिये।
रंजीत का शाम लगभग 4 बजे
में लापरवाही की बात भी एवं जिला अध्यक्ष
को उसे उपचारित कराया गया।
ऑपरेशन के लियर भर्ती 1 से 2 घंटे
में उसकी मौत हो गई। घटना के
बाद अस्पताल प्रशासन ताला डाल
कर फरार हो गया। वहीं परिजनों ने
कार्यवाई की बाद भी अस्पताल
नाम बदलकर दूसरी जाह नं संचालित
हो जाते हैं। मामले में पुलिस ने जांच
शुरू की है।

रंजीत के मार्ग गये रुपये दे दिये।

रंजीत के मार्ग

मंगलवार, 19 अगस्त 2025

हर बादल बढ़ता खतरा

उत्तराखण्ड के धराली के बाद, जम्मू के किशतवाड़ और कुड़ाया में भी बादल फटने की घटनाएं सामने आईं। इससे पहले हिमाचल प्रदेश भी इस प्रकारित आपदा का शिकाय हो चुका है। इन सभी मासलों में भीषण तबाही हुई है और जन-धन, आजीविका, अवसंरचना तथा पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंची है। हिमालयी क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं, नया बस इतना है कि इनकी संख्या और विनाशकारी असर हर अगले साल बढ़ता जा रहा है। इंटरनेशनल जनल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडिक्शन का अध्ययन भी यही सकेत करता है। साल यह है कि जब जुलाई से सिंतर के बीच हिमालयी क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं की आशंका तय मानी जाती है, जब यह तथ्य स्पष्ट होता है कि इस दौरान बादल फटने की तकरीब 70 प्रतिशत घटनाएं सम्पूर्ण ताल से 1000-2000 मीटर के बीच वाले इलाकों में होती हैं और जब यह भी स्पष्ट है कि कम मानसूनी वर्षा वाले क्षेत्रों में भीषण वर्षा और बादल फटने की घटनाएं अधिक होती हैं, साथ ही जब नमी, ताप और वर्षा के समीकरणों का संबंध भी हम पहचान चुके हैं, तो फिर इन सबके पैटर्न और प्रभावित इलाकों का विश्लेषण कर आशंकित स्थानों को पहले से चिह्नित करने नहीं किया जाता? ताकि कम-से-कम उन जगहों पर पहले से सचेत रहा जा सके और आपदा से पहले तथा उसके बाद होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। बेशक बादल फटने की घटना का बहुत पहले से पूर्वानुमान संभव नहीं। लंबी अवधि की चेतावनी कठिन है। फिर भी, आधुनिक रहार और सेटेलाइट तकनीक की मदद से इसका मोटा अनुमान एक-दो घंटे पहले तक लगाया जा सकता है। स्टोरी क्षेत्रव्यापारी, यानी निमन्ट-दर-मिनट अनुमान संभव न हो तो भी कुछ घंटे पहले किसी विपक्ष क्षेत्र के लोगों को चेतावनी दी जा सकती है। हमारे पास उन्नत डॉपलर वेदर रडार और इसरो के कई मौसम उपग्रह मौजूद हैं, जो भारी वर्षा और बादल बनने की स्थिति का पता लगाने में सक्षम हैं। प्रश्न यह भी है कि जब मौसम विभाग स्थानीय स्तर पर दो से छह घंटे पहले नाउकारिटिंग के जरिए खराब परिस्थितियों की चेतावनी जारी करता है, तो क्या उसने प्रभावित क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाई थी? निसंसंदेह मौसम विभाग और इसरो के उपग्रह सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं, पर जब वे संवर्धित लोगों तक समय पर न पहुंचे तो उनका लाभ सूचित रह जाता है। हम बादल फटने की घटना को रोक नहीं सकते, लेकिन हिमालयी राज्यों में डॉपलर रडार नेटवर्क और मौसम मान यंत्रों की स्थापना अधिक सघन कर सकते हैं। पहाड़ी घंटों में सतरता प्राणी लगाकर साइरन सिस्टम, मोबाइल, टीवी और रेडियो के माध्यम से सूचना, एडवाइजरी और अलर्ट भेजे जा सकते हैं। साथ ही, जल निकासी प्रणाली, वाध, सुरक्षात्मक दीवारें और सुरक्षित आश्रय स्थल बनाने का काम तेज किया जा सकता है। स्थानीय ग्राम समितियों और स्कूलों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देकर उन्हें रास्त्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बादल फटने और फ्लैश फ्लॉड के लिए तैयार किए गए विशेष दिशा-निर्देशों से अवगत कराना भी उतना ही जरूरी है।

प्रसंगवश

तस्वीरें खुद बयां करती हैं अपनी दास्ता

विश फोटोग्राफी दिवस हर साल 19 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन फोटोग्राफी की कला और विज्ञान का जश्न मनाने के लिए समर्पित है। इस दिन का इतिहास 19 अगस्त 1839 से जुड़ा है, जब फ्रांस सरकार ने डागुपरियोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की, जिसे फोटोग्राफी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पोड़े माना जाता है। फोटोग्राफरों को अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करने और फोटोग्राफी के प्रति जुलून को सज्जा करने का अवसर प्रदान करता है। विश फोटोग्राफी दिवस 2025 की थीम 'एक संपूर्ण दिन' है, जिसका उद्देश फोटोग्राफरों को रोजमर्यादा की जिंदगी के क्षणों को एक अनोखे तरीके से पेंस करने के लिए प्रेरित करना है। इस थीम के तहत, फोटोग्राफरों को अपनी रचनात्मकता का उपयोग करके आम दिनचर्या और आसापास के वातावरण में छिपी हुई खबरसूरी को कैद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

तस्वीर को हकीकत में बनाने का श्रेय फ्रेंच वैज्ञानिक जोसेफ नाइसफोर और लुइस डागेर को ही जाता है। इन्होंने डांगोरोटाइप प्रक्रिया का आविष्कार 1820 के करीब किया था। यह फोटोग्राफी की सबसे पहली तस्वीर 1826 में कैन्चर की गई है। पहली तस्वीर लेने में अब घंटे लगते थे। इसे जोसेफ नाइसफोर ने अपने घर की खिड़की से लिया था। 1855 में जेस्स कल्कि नैसर्गिक स्टॉल द्वारा सुझाया गए तीन-रंग विधि द्वारा बनाई गई। पहली रेंगन तस्वीर, 1861 में थॉमस स्टॉन द्वारा ली गई थी। विश्व एक रंगीन रिकॉर्ड है, जिसे आमतौर पर टार्जन रिकॉर्ड के रूप में वर्णित किया जाता है। पहली फ्लैक्स कैमरा 1928 में टीएलआर के रूप में आया। यह काफी पॉपुलर हुआ। सन् 1933 में एस्पेल्लार का डिजाइन बनाना शुरू हुआ, जिसमें 127 रोल फिल्म लागी हुई थीं। तीन साल बाद 135 फिल्म्स के साथ एक नया पॉडल आया।

मोबाइल फोन ने फोटोग्राफी कला का विस्तार किया है। आम जनमानस की सोच इनमें दिखती है। चित्र जनसंप्रेषण के सशक्त माध्यम होते हैं। चित्रों की प्रामाणिकता को उत्तराखण्ड के धराली के जिंदगी के क्षणों को एक अनोखे तरीके से पेंस करने के लिए प्रेरित करना है। इस थीम के तहत, फोटोग्राफरों को अपनी रचनात्मकता का उपयोग करके आम दिनचर्या और आसापास के वातावरण में छिपी हुई खबरसूरी को कैद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

तस्वीर का हकीकत में बनाने का श्रेय एक राशन शब्दों की व्याख्या करता है। फोटो को शब्दों का विकल्प भी कहा जाता है। चित्र अधिकारित का ऐसा माध्यम है, जहाँ शब्दों द्वारा जो की जरूरत नहीं होती।

तस्वीर का एक साथ कहानी कहने और गवाही देने का कार्य करती है। कभी-कभी जिंदगी से जुड़े चित्र इनमें पहले होते हैं। चित्र अधिकारित का ऐसा माध्यम है, जहाँ शब्दों द्वारा जो की जरूरत नहीं होती।

चित्र की जारी भी होती है, लेकिन सजीव फोटो उत्तराखण्ड का काम कैमरे की मदद से किया जाता है। फोटो जीवंत है। चित्रों की प्रामाणिकता को उत्तराखण्ड के धराली के शब्दों का विकल्प भी कहा जाता है।

तस्वीर का एक साथ कहानी कहने और गवाही देने का कार्य करती है।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

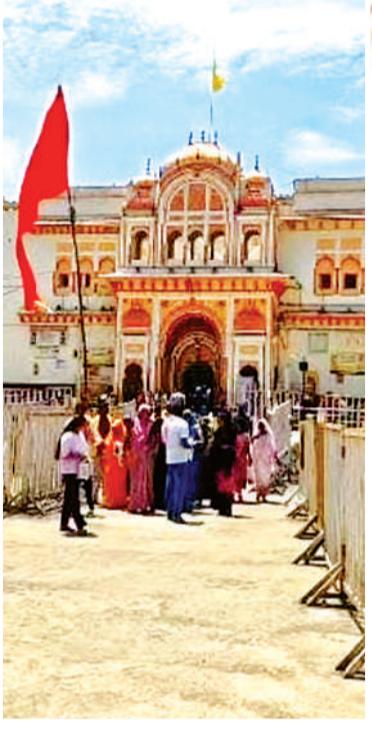
चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के लिए किसी संकेत चित्र की जरूरत नहीं होती।

चित्रों की जारी भी होती है, जिसको समझने के

यहाँ सरकार द्याजा दाम की है

टाइपिंग, प्रधानमंत्री या अन्य कोई अतिविशिष्ट लो, यहाँ कोई प्रोटोकॉल नहीं चलता। इस चौखट पर पहुंचकर सभी अपने राजा की प्रजा के रूप में होते हैं, व्योंकि यहाँ तो सरकार आज भी राम राजा की है।

ज्ञान सी से जुड़ा मध्य प्रदेश का जिला नेवाड़ी की ओरछा नगरी कभी बुंदेली शासकों की राजधानी थी। इतिहास में खास चर्चा माने वाले ओरछा में अब भले ही राजशाही नहीं है, लेकिन यहाँ के रामराजा मंदिर में आज भी भगवान राम को राजा का दर्जा प्राप्त है। उनकी सेवा, पूजा पूरे राजसी तरीके से होती है। भक्तों का मानना है कि भगवान राम अयोध्या के राजा भले ही है, लेकिन उनका दिन में प्रवास यहीं होता है। इस पर ये पंक्तियाँ बहुत प्रचलित हैं, राजाराम के दो हैं वास, दिवस औरछा बसत हैं, रात अयोध्या वास।



दर्शन स्थल और पर्यटन के विकल्प

ओरछा में दर्शन के साथ पर्यटन का आनंद लेना चाहें तो चतुर्भुज मंदिर जरूर जाइए। ओरछा राजशाही द्वारा निर्मित मंदिरों की खूबसूरती ऐसी है कि यहाँ विदेशी सेलनियों का जमाना पूरे साल लगा रहता है। इसके अतिरिक्त राम सरकार के मंदिर के ठीक बाल में बुंदेलखण्ड के कुल देवता माने जाने वाले हरदौल की बैठक है, जहाँ बुंदेलखण्ड वासी मन्त्र मानने और बच्चों के मुंदन आदि संस्कार करने आते हैं।

...चार बार गार्ड ऑफ ऑनर

- यहाँ तैनात संशेल आमर्प फोर्स के जवान कमर में बेल्ट नहीं बाधते। गेट के बाहर जूँझे निकलकर अंदर प्रवेश करते हैं। ये जवान राजपाल या मुख्यमंत्री या अन्य संघीयकानिक पदों पर बैठे लोग जब दर्शन के लिए आते हैं तो उन्हें सलामी नहीं देते, व्योंकि यहाँ राजा राम सरकार ही भला वहाँ विस्तीर्ण करा विसात। हाँ, ये जवान दिन में चार बार राजा राम को गार्ड ऑफ ऑनर जरूर देते हैं।
- आजादी के पहले यहाँ तलबार, लोप और फिर बूँदूक से राजा राम को गार्ड ऑफ ऑनर देने की परंपरा थी। 1947 में जब राजशाही समाप्त हुई तो अंतिम शासक वीर सिंह जूदवे ने भी शर्त रखी कि हमारी रियासत की परंपरा जारी रहेंगी और आज भी ये कायम है।



लेखिका: ऋचा बाजपेई

बोध कथा

कबिरा आप ठगाइये

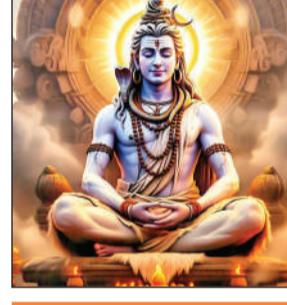
मनुष्य के जीवन का एक बेवज उद्देश्य अपयशभाजन तथा नास्तिक, जान-भक्ति- मानवतारहित मनुष्य का कपी विश्वास नहीं करना चाहिए। उसके लिए शास्त्रीय विधि से उद्यम करते भस्म और सुंदर जटाएं ऐसी कीर्ति विख्यार रही थी कि करोड़ों कामदेव लंजित हो जाएं। एक स्थान पर त्रिष्ण यज्ञ कर रखे थे और शिव जी वहाँ से अपनी मस्ती में रामनाम अमृत का पान करते हुए निकल रहे थे। उनके अद्भुत रूप पर मोहित होकर त्रिष्ण पत्नियों के पीछे-पीछे चली दीं। त्रिष्णों को समझ नहीं आया कि यह हमारे धर्म का लोप करने वाला अवधृत कौन है जिसके पीछे हमारी पत्नियाँ चली गईं। पत्नियाँ ही नहीं रहीं तो हमारे यज्ञ कैसे पूर्ण होंगे?

त्रिष्णों ने ध्यान लगाया तो पता लगा यह तो सक्षत भावान शिव है। उन्होंने कहा कि सुष्टि, स्थिति और श्राप देदिया। श्राप से भगवान शिव गोलोक में श्री सुरभि गाय का स्तवन करने लगे। उन्होंने कहा कि सुष्टि, स्थिति और श्राप देदिया। श्राप से भगवान शिव गोलोक में सुरभि गाय के पेट में सूर्य के समान तेजस्वी 'नील वृषभ' का देखा। देवताओं एवं ब्राह्मणों की स्तुति पर भगवान शिव वृषभ के रूप में अवतार हुए थे। देवता और मुनियों ने देखा गोलोक की गायों के बीच में नील वृषभ स्वच्छन्द क्रीड़ा कर रहा है, और जो निर्दय होकर तुम्हें पीड़ि पहुँचाता है, वह शाश्वती गति-मुक्ति का नहीं पा सकता।

वचन सहने वाला, लोभ की क्षमा नहीं करता। कटु अपितृ साक्षात् देवता है। आप अपनी अभिलाषाओं को त्यागकर प्रभु की शरण में जाएं। प्रभु कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यन्त दीन बनें। इच्छाओं का दमन करें, जिधर आपको इच्छाएं ले जाएं, उस ओर मत जाइए। दुःख को भी सहना सीखिए, और विश्व के एकमात्र आधार प्रभु की इच्छा पर अपने को सभी तरह से पूर्ण रूपण छोड़ा ही उचित है। यहीं सुखी बनने का आधार सदाचार है। धन, जन और मन अपने नियन्त्रण में होने से काम में सहायता मिलती है। विचार ही आचार के जनक होते हैं। धन व जवानी में अंकारा और अंक्रित की सेवा का ध्यान रखकर उनका पालन करना ही परम-धर्म है। भूख से कम खाना, अपकारा का अपमान न करके गम रखना, असे अधिक व्यय न करना है। और दुःखी को सुख देने में सहायता करना ही मानव का कर्तव्य है। परिवार में वरिष्ठजनों, गुरुजनों व आंश्रित की सेवा का ध्यान रखकर उनका पालन करना ही परम-धर्म है।

वचन सहने वाला, लोभ की क्षमा से बचे रहने वाला, ध्रोधानिन से न जलने वाला, परनारी में मन लगाने वाला, याचक को कपी न ही कहने वाला, और अपकारी के प्रति उपकर करने वाला मानव नहीं होते हैं, यह अपितृ साक्षात् देवता है। आप अपनी अभिलाषाओं को त्यागकर प्रभु की शरण में जाएं। एवं धर-परिवार की जिम्मेदारी न होकर रहना बहुत ही तक है। नेत्रों से देख-देखकर भूमि पर चलना, सत्य-अंदिसा से शुद्ध वचन बोलना, छान करके जल को पीना, सोच-समझकर गुरु बनाना तथा विचार करके काम करते रहना लाहिए। धन, जन और मन अपने नियन्त्रण के लिए अत्यन्त दीन बनें। इच्छाओं का दमन करें, जिधर आपको इच्छाएं ले जाएं, उस ओर मत जाइए। दुःख को भी सहना सीखिए, और विश्व के एकमात्र आधार प्रभु की इच्छा पर अपने को सभी तरह से पूर्ण रूपण छोड़ा ही उचित है। विचार ही आचार के जनक होते हैं। धन व जवानी में अंकारा और अंक्रित की सेवा का ध्यान रखकर उनका पालन करना ही परम-धर्म है।

लेखक: डॉ. विजयप्रकाश त्रिपाठी।



गोलोक में सुरभि गाय के पेट से 'नील वृषभ' के रूप में अवतार हुए शिव

शिव का वाहन नहीं अंश है वृषभ

एक बार भगवान शिव अंत्यंत मनोहरी स्वरूप धारण करके प्रमण कर रहे थे। दिगंबर वेश, शीर पर भस्म और सुंदर जटाएं ऐसी कीर्ति विख्यार रही थी कि करोड़ों कामदेव लंजित हो जाएं। एक स्थान पर त्रिष्ण यज्ञ कर रखे थे और शिव जी वहाँ से अपनी मस्ती में रामनाम अमृत का पान करते हुए निकल रहे थे। उनके अद्भुत रूप पर मोहित होकर त्रिष्ण पत्नियों के पीछे-पीछे चली दीं। त्रिष्णों को समझ नहीं आया कि यह हमारे धर्म का लोप करने वाला अवधृत कौन है जिसके पीछे हमारी पत्नियाँ चली गईं। पत्नियाँ ही नहीं रहीं तो हमारे यज्ञ कैसे पूर्ण होंगे?

त्रिष्णों ने ध्यान लगाया तो पता लगा यह तो सक्षत भावान शिव है। उन्होंने कहा कि सुष्टि, स्थिति और श्राप देदिया। श्राप से भगवान शिव गोलोक में सुरभि गाय का स्तवन करने लगे। उन्होंने कहा कि सुष्टि, स्थिति और श्राप देदिया। श्राप से भगवान शिव गोलोक में सुरभि गाय के पेट में सूर्य के समान तेजस्वी 'नील वृषभ' का देखा। देवताओं एवं ब्राह्मणों की स्तुति पर भगवान शिव वृषभ के रूप में अवतार हुए थे। देवता और मुनियों ने देखा गोलोक की गायों के बीच में नील वृषभ स्वच्छन्द क्रीड़ा कर रहा है, और जो निर्दय होकर तुम्हें पीड़ि पहुँचाता है, वह शाश्वती गति-मुक्ति का नहीं पा सकता।

प्रेषण करो तुम्हें पीड़ि पर सुर्दर्शन का चिन्ह था। भगवान शिव ने सुरभि माता की प्रदक्षिणा की ओर जैसे ही गाय ने 'ॐ मा' उच्चारण किया शिव जी गौ माता के पेट में चले गए। शिव जी को परम आनंद प्राप्त हुआ। इधर शिवजी के न होनेसे जगत में हाहाकार मच गया। सारी सुष्टि शब के सामान प्रतीत होने लगी। शिव जी के न होने से रूद्र अधिष्ठेक एवं यज्ञ कैसे हो? तब देवताओं ने स्तवन करके ब्राह्मणों को प्रसन्न किया और उनसे पता लगाकर उस गोलोक में पहुँचे, जहाँ के सिद्ध और सनातन देवता हाथों में दही और सनातन देवता होते हैं। देवताओं ने गोलोक में सुरभि गाय के पेट में सूर्य के समान तेजस्वी 'नील वृषभ' का देखा। देवताओं एवं ब्राह्मणों की स्तुति पर भगवान शिव वृषभ के रूप में अवतार हुए थे। देवता और मुनियों ने देखा गोलोक की गायों के बीच में नील वृषभ स्वच्छन्द क्रीड़ा कर रहा है, और जो निर्दय होकर तुम्हें पीड़ि पहुँचाता है, वह शाश्वती गति-मुक्ति का नहीं पा सकता।

लेखक: आचार्य पवन तिवारी
संस्थापक अध्यक्ष-ज्योतिष सेवा संस्थान।

इस सप्ताह के व्रत और पर्व

अजा एकादशी पर श्रीहरि का पूजन

■ भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी की ज्युरुआत 18 अगस्त की सीम 5:22 बजे से होगी जो 19 अगस्त दोपहर 3:32 बजे तक रहेगी। हालांकि व्रत का पारण 20 अगस्त को सुबह 8:29 बजे तक होता है। एकादशी पर भगवान विष्णु के पूजन का विवाह है। एकादशी के दिन होता है। साल भर में आने वाली 24 एकादशी में से भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को अजा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस एकादशी के व्रत से पांचों का नाश होता है। जो तुम्हें पैरों से छूता है, वह गाढ़े बंधनों में बंधकर, भूख-प्यास से पीड़ित होकर नरक भागता है और जो निर्दय होकर तुम्हें पीड़ि पहुँचाता है, वह शाश्वती गति-मुक्ति का प्राप्त होती है। इस दिन अन्न का दान जरूर करना चाहिए, जिससे रोग और पीड़ि से मुक्ति मिलती है। अजा

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,273.75	24,876.95
बढ़त	676.09	245.65
प्रतिशत में	0.84	1.00

सोना 1,00,920
प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,15,000

बिजनेस ब्रीफ

डी कंपनियों के लिए न्यूनतम सार्वजनिक निर्गम आकार में ढील देने का प्रस्ताव

ईद दिल्ली। बाजार नियमक सेवी ने सोमवार को बड़ी कंपनियों के लिए न्यूनतम सार्वजनिक निर्गम आकार में ढील देने का प्रस्ताव रखा। साथ ही उनके लिए न्यूनतम सार्वजनिक शेर्यर रिता मनदंडों को पूरा करने के साथ सर्वयोगीमा बढ़ने की बात भी कही गई। इसके अलावा भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेवी) ने बड़ी निर्गमों को पूरा करने करने में जीरकीता को समान आने वाली तात्पुरताओं को देखते हुए पांच हजार करोड़ रुपयों से अधिक के अधिक सार्वजनिक निर्गम (अईपीओ) में खुदरा कोटा 35 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है।

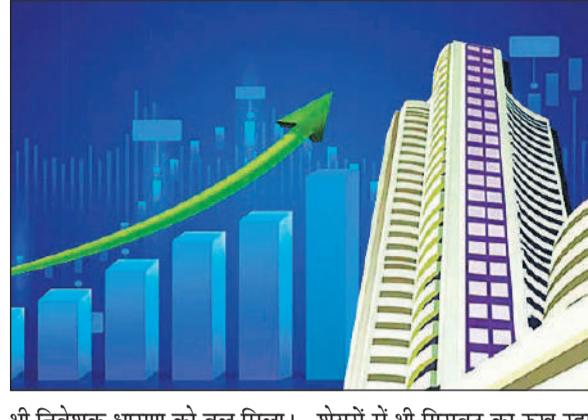
गूगल को ऑस्ट्रेलिया में 3.6 करोड़ डॉलर का जुर्माना

मेलबर्न। डिग्जिट प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल को ऑस्ट्रेलिया की दो बड़ी दूरसंचार कंपनियों के साथ प्रारंभिक-रोटी समझौते करने के माध्यम से 5.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भरना होगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिशतर्षी एवं उपयोगी आपात (एपीजीओ) ने सोमवार को कहा कि उन्हें गूगल के पैशाया ग्राहन खंड के द्वारा संभी न्यूनतय में कारबोन शुरू की है। विश्वलेखकों ने कहा कि गूगल पर लगाया गया जुर्माना उपयुक्त है या नहीं। यह जुर्माना ऑस्ट्रेलिया की दो प्रमुख दूरसंचार कंपनियों टेलर्स एवं ऑटेस के साथ गूगल के प्रतिशतर्षी-रोटी करने को लेकर लगा है।

बंद पॉलिसी फिर चालू करने के लिए अभियान

ईद दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीन बीमा नियम (एसआईआर) ने बंद हो चुकी व्यावितगत बीमा पॉलिसी को फिर से चालू करने के लिए सोमवार को अधियायन शुरू किये जाने की घोषणा की। यह विशेष अधियायन एक महीने के लिए 18 अगस्त से 17 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा। इस अधियायन के तहत पॉलिसी को चालू करने के लिए विवेक शुरू के द्वारा सोमवार के विवेक शुरू के 30 प्रतिशत तक की सूची राखी है, जो अधिकतम 5,000 रुपये तक हो सकती है।

मई में भी बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत थी



भी निवेशक धारणा को बल मिला। सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति का शेयर सबसे अधिक 8.94 प्रतिशत के लाभ से रहा। जीएसटी दोरों को युक्ति संगत बनाने का प्रतिशत आरक्ष फाइनेंस में पांच प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.71 प्रतिशत और बजाज फिनेंस विनियोग में 3.7 प्रतिशत की तेजी रही।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलिंवर और ट्रेट ने शेयर भी बढ़ावा देने के साथ 25,022 तक पहुंच गया। नायर ने कहा कि वाहन खंड ने प्रस्तावित जीएसटी सुधारों से सर्वाधिक लाभान्वित होने वाले क्षेत्र के तौर पर सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान सार्वजनिक शेयर और ट्रेट के शेयर भी बढ़ावा देने के साथ 25,022 तक पहुंच गया। नायर ने कहा कि वाहन खंड ने प्रस्तावित जीएसटी सुधारों से सर्वाधिक लाभान्वित होने वाले क्षेत्र के तौर पर सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की।

बेरोजगारी दर जुलाई में घटकर 5.2% पर आई

